वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 205 | गुरुवार 21 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से यूनाइटेड किंगडम के प्रतिनिधिमंडल ने की शिष्टाचार भेंट

सिंगापुर एवं यूके के प्रतिनिधिमण्डल के लिए मुख्यमंत्री निवास पर रात्रिभोज आयोजित

मंत्रिपरिषद् के सदस्य, सांसद एवं वरिष्ठ अधिकारी रहे उपस्थित

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर यूनाइटेड किंगडम से आए प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमण्डल को आगामी 9 से 11 दिसंबर तक जयपुर में आयोजित होने वाली राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में पार्टनर कंट्री बनने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के किले भी यूके के एडिनबर्ग और विंडसर किले के समान ही भव्यता के लिए प्रसिद्ध हैं। राजस्थान में प्रमुखता से पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के पत्थर, गहने इत्यादि के निर्यात में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रतिनिधिमण्डल की इस यात्रा से यूके और भारत एवं विशेषकर राजस्थान के बीच आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को अधिक मजबूती मिलेगी। यूनाइटेड किंगडम के प्रतिनिधिमण्डल में शेरोन हॉजेसन, शिवानी राजा, हलेना डॉलीमोर, कनिष्क नारायण, साहिल वेद हंसरानी, पुनीत गुप्ता, अतुल झांब, क्षितिज सिंघवी एवं गौरव चक्रवर्ती एवं उमर शामिल थे। इस दौरान उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के. विश्नोई भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री निवास पर रात्रिभोज का हुआ आयोजन

सिंगापुर एवं यूनाइटेड किंगडम से राजस्थान दौरे पर आए प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों के लिए बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर रात्रिभोज आयोजित किया गया। इस दौरान प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों का साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सिंगापुर के प्रतिनिधिमण्डल में डिजिटल विकास और सूचना मंत्रालय वरिष्ठ राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी, प्रधानमंत्री कार्यालय से वरिष्ठ राज्यमंत्री डेसमंड टैन कोक मेंग, शिक्षा और जनशक्ति राज्य मंत्री गेन सियो हुआंग, शिक्षा और वित्त मंत्रालय से वरिष्ठ संसदीय सचिव शॉन हुआंग एवं संसद सदस्य जी याओ क्वान, राचेल ऑग एवं सक्रियादी सुपाट सहित अन्य सदस्य रात्रिभोज में शामिल हुए। साथ ही उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, नगरीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार, सांसद मदन राठौड, घनश्याम तिवाड़ी, राव राजेन्द्र सिंह, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, पूर्व मंत्री अरूण चतुर्वेदी सहित विधायकगण एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पवन भार्गव बने होलसेल सब्जी मंडी प्रधान

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। होलसेल सब्जी व्यापारी पवन भार्गव को होलसेल सब्जी मंडी यूनियन का प्रधान चुना गया है बुधवार को सब्जी मंडी में आयोजित व्यापारियों की बैठक में सर्वसम्मति से पवन भार्गव को अध्यक्ष व सोनू कालडा को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया नवनियुक्त पदाधिकारी को शेष कार्यकारिणी का गठन करने के लिए अधिकृत किया गया है इस मौके पर मंडी व्यापारी पवन सिकरिया, रोशन खान, श्योचंद, ओमप्रकाश, गौरव जसूजा,मोनू भंडारी, राकेश, अनिल, सौरभ, उदित शर्मा आदि मौजूद रहे।

स्थानक बनना यानी संघ की शक्ति बढ़ना है: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

तिरुमलिसै महावीर जैन स्थानक का हुआ लोर्कापण

चेन्नई. शाबाश इंडिया। श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी एवं महासती राजमतिजी आदि ठाणा के निश्रा में बुधवार को समारोह में तिरुमलिसै मे महावीर जैन स्थानक का लोकार्पण हुआ। युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी म.सा ने श्रध्दालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि नवनिर्मित स्थानक का उद्घाटन इस क्षेत्र की पुण्याई है। तिरुमलिसै मध्यवर्ती क्षेत्र है। पहले 1956 में यहां स्थानक बना था। केवलमुनि का चातुर्मास यहां हुआ। यह धर्म स्थानक आने वाली पीढ़ियों के लिए धर्म आराधना का केंद्र बन सकता है। आज तिरुमलिसै के सुंदर वास्तु की शुरूआत हुई है। स्थानक बनना यानी संघ की शक्ति बढ़ना है। यह सबके लिए आदर्श बन गया है। यह धर्म, परमात्मा के प्रति आस्था का बल है। उन्होंने कहा जीवन में ठहरना और चलना दोनों महत्वपूर्ण है। जीवन में वही व्यक्ति चल सकता है जो कुछ देर ठहर सकता है। यदि जीवन में आगे बढ़ना है तो रुकना जरूरी है। ठहरना, रुकना हमें शक्ति देता है। खाने से ऊर्जा मिलती है लेकिन विश्राम करने से हमारी शक्ति सक्रिय होती है। सिर्फ स्थानक ही है, जहां आपको शांति का अनुभव होगा। यहां रोजाना आकर एक सामायिक, एक नवकारवाली पक्का करनी है, इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आपके घर, व्यापार के स्ट्रेस कम होंगे। स्ट्रेस को दबाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यहां जो समय व्यतीत करेंगे, आप समझना, आपने उसे व्यर्थ नहीं किया। आपने दो घड़ी भी यहां आकर धर्म ध्यान किया तो पूरा दिन प्रफुल्लित रहेगा। संघ के सदस्यों, युवाओं ने इस कार्य को बड़ों की धरोहर समझकर संपूर्ण किया है, वे साधुवाद के पात्र हैं। यह धर्म स्थानक मुक्ति स्थान तक पहुंचने में सहायक बने। धर्म स्थान से धर्म आराधना कर जीवन में आगे बढ़ें। महासती विनयश्रीजी ने कहा कि अपने जीवन में पवित्र स्थान के निर्माण का अवसर मिला है, उससे चूके नहीं। यह कर्मनिर्जरा का स्त्रोत है। महासती दिव्ययशाश्रीजी ने कहा कि धर्म स्थान का निर्माण करना पुण्य का उपार्जन करना है। इस धर्म स्थानक को कभी ताला या जाला नहीं लगना चाहिए, इसका ध्यान रखें। पलक मुथा ने स्वागत स्पीच में कहा कि संघ की मेहनत रंग लाई और आज हमारा सपना साकार हुआ। उन्होंने कहा यह स्थानक जीवन निर्माण का स्त्रोत है। तिरुमलिसै संघ की सदस्याओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अरुणा सुराणा ने कहा कि आज गुरुदेव ने हमारी झोली को पुण्याई से भरकर संघ की शान को बढ़ा दिया। महिला मंडल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। बच्चों ने भी गीत व भावनात्मक नाटिका प्रस्तुत की। नवनिर्मित स्थानक के सहयोगियों, व अतिथियों का सम्मान किया गया।

श्री दुर्गा मंदिर में महिला मंडल हुड्डा कॉलोनी द्वारा आयोजित हुई मद्भागवत कथा

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। स्थानीय रेलवे कॉलोनी स्थित श्री दुर्गा मंदिर में महिला मंडल हुड्डा कॉलोनी द्वारा आयोजित मद्भागवत कथा पांचवे दिन भी जारी रही । कथा वाचक पंडित अमरावती नंदन (राजस्थान वाले) ने मद्भागवत कथा का पाठ किया जिसमे आज मुख्य रूप से श्री कृष्ण बाल लीला,माखन चोरी एवं श्री गिरिराज पूजन महोत्सव पर कथा विस्तार से सुनाई। आज के पूजन कर्ता रामअवतार ममेरीवाले, महेश ममेरीवाले ,रमन जसरासरिया, विनोद सिंगल अपने सपरिवार पहुँचे और श्री भगवान जी गढ़वाल अपने परिवार सहित कथा का श्रवण करने के लिए पधारे।आज भागवत भगवान को छप्पनभोग और कड़ी खीचड़े का भोग लगाया गया और देवकी नंदन जी तलवाडिया का कड़ी खीचड़े का प्रसाद बनाने और सभी भगतो में प्रसाद का वितरण करने में विशेष योगदान रहा। इस कथा में रामेश्वर लाल धानुका, अशोक धानुका, सुरेश धानुका, राजकुमार बंसल,पवन तलवाडिया,देवकी तलवाडिया, संदीप तलवाडिया, दयाराम कनवाडिया, दीपक बंसल,सुमित पांडे,आदि लोग उपस्थित रहे।

मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ पहुंचे अहिंसा ग्रीन वैली

आगरा. शाबाश इंडिया

मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज की पावन प्रेरणा एवं निर्देशन में जैन समाज आगरा की मंगल भावनाओं से भारतीय संस्कृति से समाहित आगरा के एत्मादपुर स्थित मौजा धरैरा के अहिंसा ग्रीन वैली में विहसंत सागर पब्लिक स्कूल के लिए 21 नवंबर को भव्य भमि शिलान्यास समारोह होने जा रहा है,जिसके लिए मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ ने श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर कालिंदी विहार कॉलोनी से मंगल विहार कियो उपाध्यायश्री ससंघ ने मंगल विहार कर विभिन्न मार्गों से होते हुए 20 नवंबर को कार्यक्रम स्थल एत्मादपुर के अहिंसा ग्रीन वैली में मंगल प्रवेश हुओ जहां पहुंचने पर जैन समाज और संबंधित विहसंत सागर चैरीटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उपाध्यायश्री ससंघ की भव्य अगवानी कर मंगल आशीर्वाद लिया और जगह जगह गुरुदेव की भव्य अगवानी कर मंगल आरती उतारी गई। इसके बाद विहसंत सागर पब्लिक स्कूल के शिलान्यास की पूर्व बेला में स्कूल भूखण्ड पर बने भव्य पांडाल में पूज्य उपाध्यायश्री विहसन्तसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य मे एवं पन्डित श्री सौरभ जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन मे वास्तु विधान का आयोजन किया गया जिसमे विहसंत सागर पब्लिक स्कूल के ट्रस्टीगण, आजीवन सदस्यो व समग्र जैन समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कीइस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी,रोहित जैन अंहिसा, अजीत जैन,पारस जैन कंसल मनोज जैन बाकलीवाल,जगदीश प्रसाद जैन, शैलेन्द्र जैन,राकेश जैन,यशपाल जैन, के.के जैन,पारसबाबू जैन,अंकेश जैन, संजीव जैन,नरेश जैन,अंकुश जैन दीपक जैन, मीडिया कुमारी शुभम जैन समस्त जैन समाज के बच्चें भी इस विहार में बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

रक्तदान शिविर में 58 यूनिट रक्त एकत्र

जयपुर. शाबाश इंडिया

बुधवार दिनाक 20.11.24 को जे एल एन मार्ग स्थित एन सी सी कामप्लेक्स में रोटरी क्लब जयपुर व स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया गया। इस शिविर में क्लब के अध्यक्ष गिरधर , सचिव पीयूष जैन मौजूद रहे। शिविर संयोजक आर के शर्मा ने बताया कि यह शिविर प्रति वर्ष लगाया जाता है। उन्होंने कहा कि 58 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

मिल्खा सिंह: एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व

मिल्खा सिंह, जिन्हें 'फ्लाइंग सिख' के नाम से जाना जाता है, भारतीय खेल इतिहास के ऐसे महान धावक हैं, जिनकी कहानियाँ आज भी लाखों युवाओं को प्रेरित करती हैं। उनका जन्म 20 नवंबर 1929 को पाकिस्तान के गोविंदपुरा गाँव में हुआ था। विभाजन के दौरान हुए दंगों में उन्होंने अपने माता-पिता और परिवार को खो दिया। यह कठिन समय उनके जीवन का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ।

संघर्ष और सफलता की कहानी

भारत आने के बाद, मिल्खा सिंह ने भारतीय सेना में भर्ती होकर अपने जीवन की नई शुरूआत की। सेना में रहते हुए ही उन्होंने अपने धावक बनने की यात्रा शुरू की। उनका अनुशासन और मेहनत अद्वितीय थी। उन्होंने 1958 में कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया। 1960 के रोम ओलंपिक में 400 मीटर दौड़ में उनकी चौथी पोज़िशन ने उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। भले ही वे पदक से चूक गए, लेकिन उनका प्रदर्शन भारतीय खेलों में एक मील का पत्थर साबित हुआ।

फ्लाइंग सिख की उपाधि

मिल्खा सिंह को 'फ्लाइंग सिख' की उपाधि पाकिस्तान के जनरल अयूब खान ने दी। यह तब हुआ जब उन्होंने 1960 में पाकिस्तान के धावक अब्दुल खालिक को हराया। यह उनके करियर का ऐतिहासिक पल था। मिल्खा सिंह ने न केवल अपने जीवन में खेलों को महत्व दिया, बल्कि भारत में एथलेटिक्स के विकास के लिए भी काम किया। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करने के लिए कई कार्यक्रमों और कोचिंग कैंप्स का आयोजन किया। उनकी आत्मकथा 'द रेस ऑफ माई लाइफ' आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करती है।

विरासत

मिल्खा सिंह का जीवन हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियाँ भी हमें सफल होने से नहीं रोक सकतीं। उनका जीवन अनुशासन, समर्पण और अथक परिश्रम का प्रतीक है। 18 जून 2021 को उनका निधन हुआ, लेकिन उनका योगदान और प्रेरणादायक व्यक्तित्व हमेशा जीवित रहेगा। मिल्खा सिंह की जयंती न केवल उनकी उपलब्धियों को याद करने का अवसर है, बल्कि उनके मूल्यों और संघर्षों से प्रेरणा लेने का भी समय है। उनके आदर्श हमें यह संदेश देते हैं कि असंभव कुछ भी नहीं है, अगर हमारी इच्छाशक्ति मजबूत हो।

अनिल माथुर
जोधपुर (राजस्थान)

विश्वविद्यालय को ऐसा केन्द्र बनाओ कि देश-विदेश के लोग जैन विद्याओं को जानने-समझने के लिए लाडनूं आएं: आचार्यश्री महाश्रमण

जैविभा संस्थान के विकास के लिए अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण ने दिए

लाडनूं. शाबाश इंडिया

तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें आचार्य एवं जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा है कि जैन विश्वभारती संस्थान विश्वविद्यालय में और नया क्या किया जा सकता है, इस पर ध्यान देना चाहिए। विश्वविद्यालय के लिए जैनिज्म मूल रहना चाहिए। इसका नाम ही जैन विश्वभारती संस्थान है तो जैन विद्या ही इसकी मल रहेगी। समस्त देश-विदेश में जैनिज्म को जानने, समझने, पढने और ज्ञान प्राप्त करने के लिए यह केन्द्र रहना चाहिए, जहां आकर उन्हें जैन विद्या को पढने-जानने का पूरा अवसर मिल सके। सूरत में अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के दर्शनार्थ आए जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं प्रमुख लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना के 34 वर्षों के इतिहास का लेखन होकर एक पुस्तक तैयार होनी चाहिए। इसमें विश्वविद्यालय के विकास की सम्पूर्ण यात्रा का विवरण संकलित किया जाकर सम्मिलित किया जाना चाहिए। 34 वर्ष की यात्रा की इस किताब के लिए 34 वर्ष पहले के साक्षी भी मिल जाएंगे। इसमें विकास के समस्त प्रयासों और उनके रही कमियों-अच्छाइयों सहित पूरा उल्लेख होना चाहिए। इस पुस्तक से पुरानी से पुरानी बातों को जाना जा सकेगा। 10-20 साल बाद भी यहां कैसे-क्या हुआ, देख सकते हैं।

प्राच्य विधाओं, भारतीय संस्कृति, जैन विधाओं के क्षेत्र में सतत कार्यरत

कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने प्रारम्भ में सबका परिचय करवाते हुए अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण को प्रारम्भ में विश्वविद्यालय के बारे में गतिविधियों एवं योजनाओं की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में हम प्राच्य विधाओं, भारतीय संस्कृति, जैन विधाओं के क्षेत्र में काम कर रहे हैं और इसी क्षेत्र में हमारी कोशिश है कि निरनतर आगे बढें। उन्होंने विश्वविद्यालय में किए जा रहे शोध कार्यों, साधुओं के सान्निध्य व मार्गदर्शन के बारे में बताते हुए कहा कि आज विश्वविद्यालय वित्तीय मामलों में सफल हुए हैं और आत्मनिर्भर बन रहे हैं। हम स्वयं के खर्चे से विभिन्न योजनाओं का संचालन करने में समर्थ है। 10-15 करोड़ की योजनाओं पर अपने स्तर पर काम कर सकते हैं। उन्होंने जानकारी दी कि लाडनूं से 3 बसों से 75 विद्यार्थियों, 50 संकाय सदस्यों सहित 125 लोग सूरत आए हैं। इस अवसर पर प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, प्रो. बीएल जैन, प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन, डा. प्रद्युम्नसिंह शेखावत आदि ने भी विश्वविद्यालय के सम्बंध में अपने विभागों के कार्यों, गतिविधियों एवं विकास की जानकारी दी।

यह नैतिक मूल्यों व संस्कारों को समर्पित विश्वविद्यालय

कुलाधिपति एवं केन्द्रीय विधि मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने विद्या की साधना को सर्वोत्कृष्ट साधना बताते हुए उसके परिणाम में धैर्य धारण करना आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि विद्याराधना की कोई निश्चित अवधि नहीं होती है। यह 'चरैवेति-चरैवेति' की भावनाएं रखती है कि सदा चलते ही रहना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के सूरत में आयोजित दीक्षांत समारोह के अवसर पर भेजे गए अपने आनलाईन संदेश में पूर्व राष्ट्रपति डा. अब्दुल कलाम का स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षा सदैव नैतिक मूल्यों को समर्पित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आचार्य तुलसी ने 'ज्ञान का सार आचार है' को आदर्श बताते हुए मूल्यों को अपनाने का सपना लिया था। उसे जैन विश्वभारती संस्थान ने अपने स्थापना-काल से ही अपनाया और आचार्य महाप्रज्ञ व आचार्य महाश्रमण के अनुशासन, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन में लगातार आगे बढ रहा है।

वेद ज्ञान

प्रेम प्रवाह

प्रेम बहती नदी है, बंद तालाब नहीं। इसे परमार्थ के महानद में मिलने दें। यदि प्रेम नदी न हो तो जीवन को शुष्क मरुस्थल बनते देर नहीं लगती। प्रेम बहती नदी है, बंद तालाब नहीं। इसे परमार्थ के महानद में मिलने दें। यदि प्रेम नदी न हो तो जीवन को शुष्क मरुस्थल बनते देर नहीं लगती। स्वार्थ के संपुट में बंद प्रेम महज प्रेमाभास है। प्रेम ऊपर चढ़े तो भक्ति है और नीचे गिरे तो आसक्ति। प्रेम रागात्मक है, वासनात्मक नहीं। हमारा सारा प्रेम शुभ के लिए होना चाहिए। हम व्यक्ति से प्रेम नहीं करते, उसमें निहित आदर्श से प्रेम करते हैं। पति या पत्नी शरीर से प्रेम नहीं करते, उसमें निहित आत्मा से प्रेम करते हैं। परमात्मा को धर्मालयों में बंद न करें। उसे सर्वत्र प्रेम के रूप में खिलने दें। बंद फूल मुरझा जाता है। उसे उपवन की खुली हवा में खिलखिलाने दें। यदि आप जीवन में ऊंचाई को नापना चाहते हैं तो उपवन में खिले फूलों को देखें, जो खिलता है दूसरों को सुख देने के लिए और स्वयं मुरझाने के लिए। फूल कंटीली झाड़ी में भी मुस्कराता रहता है। क्या आप ऐसा कर सकते हैं? साधु की साधुता में ही प्रेम को मत देखें, बल्कि दुष्ट की दुष्टता में भी प्रेम को निहारने की साधना करें। जब तक बंदा और खुदा के बीच खुदी का पर्दा है, तब तक खुदा का दीदार नहीं। प्रेम निश्छल होना चाहिए। वह चाहे सांसारिक प्रेम हो या परमार्थिक प्रेम। प्रेम में प्रतिदान की तनिक भी गुंजाइश नहीं है। प्रेम के आगे मुक्ति भी निरादृत है। प्रेम-प्रेम के लिए होना चाहिए। यह भाव भी नहीं होना चाहिए कि वह प्रेम कर रहा है। प्रेम में केवल देना ही देना है, लेना कुछ भी नहीं। प्रेम को तिजारत न बनने दें। प्रार्थना का असली मंतव्य परमात्मा से किसी प्रकार की याचना नहीं है। अहंकार वह बाधक तत्व है, जो दैवी प्रेम को मनुष्य के भीतर उतरने ही नहीं देता। परमात्मा प्रेम है। उसे निश्छल प्रेम ही चाहिए। सूर्य प्रेमवश जीवनदायिनी किरणें विसर्जित करता है। मेघ भेद-भाव के बगैर सभी के खेतों में बरसता है। नदी प्यास मिटाने के लिए निरंतर बहती है। वृक्ष, फल लुटाने के लिए झुक जाते हैं। हवा जीवन देने के लिए बहती ही रहती है। इस प्रेम के बदले वे हमसे कुछ नहीं चाहते, परंतु हम लोग भ्रांत सुख की खोज में निर्ममता से इन सब का दोहन करते रहते हैं। इस संकट से बचने के लिए हमें अपने को सब के साथ प्रेम के बंधन में बंधकर चलना होगा, अन्यथा हमारा ही अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा।

संपादकीय

सांसों पर संकट...

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा ग्रेडेड रिस्पॉन्स ऐक्शन प्लान (ग्रेप) के चरण चार को अधिसूचित किए जाने के एक दिन बाद भी दिल्ली की हवा की गुणवत्ता में मामूली सुधार ही देखने को मिला। राजधानी में इस सप्ताह वायु गुणवत्ता सूचकांक अथवा एक्यूआई 450 के ऊपर बना रहा। इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय ने बिल्कुल सही कहा कि प्रदूषण से बचने के उपायों के क्रियान्वयन में देरी हो रही है। ग्रेप-4 के अंतर्गत दिल्ली में

ट्रकों के आवागमन पर रोक, दिल्ली में पंजीकृत बीएस-4 और उससे नीचे की श्रेणी के डीजल चालित मझोले मालवाहक वाहनों तथा भारी मालवाहक वाहनों पर प्रतिबंध, विनिर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियों पर अस्थायी रोक, शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों को बुलाकर पढ़ाने पर रोक तथा कार्यालयों में 50 फीसदी लोगों को घर से काम करने का विकल्प देने जैसी बातें शामिल हैं। जाहिर सी बात है कि इनमें से कोई भी कदम समस्या को हल करने वाला नहीं है। प्रदूषण बहुत अधिक बढ़ा हुआ है और वह लगातार 'गंभीर' से भी ऊपर की श्रेणी में है। भूरे रंग की गहरी धुंध ने न केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का दम घोंट रखा है बल्कि उसने रेल और हवाई यातायात को भी प्रभावित किया है। मौसम विज्ञान सहित कई ऐसी तमाम वजह हैं जिनके चलते दिल्ली और उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों के निवासी खुद को नाउम्मीद स्थिति में पाते हैं। यह सिलसिला सालों से चल रहा है। पराली जलाने का सिलसिला भले ही नया और मौसमी है लेकिन निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, कचरा जलाने से लगने वाली आग, वाहनों से होने वाला प्रदूषण और कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से होने वाला प्रदूषण वर्षों से दिक्कत दे रहा है। एक दिलचस्प बात यह है कि सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी ऐंड क्लीन एयर (सीआरईए) द्वारा किया गया एक नया अध्ययन इस पुरानी मान्यता पर सवाल उठाता है कि पंजाब और हरियाणा में अक्टूबर-नवंबर के महीने में पराली को जलाया जाना ही दिल्ली की हवा की गुणवत्ता में खराबी का प्रमुख उदाहरण है।अध्ययन बताता है कि एनसीआर में मौजूद ताप बिजली घर पराली जलाए जाने की तुलना में 16 गुना अधिक प्रदूषण फैलाते हैं। ताप बिजली संयंत्र एनसीआर के इकलौता उद्योग हैं जिनमें कोयले के इस्तेमाल की इजाजत है।वहीं भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) का ताजा अध्ययन दिखाता है कि पराली का जलाया जाना एनसीआर की हवा गुणवत्ता खराब करने में 38 फीसदी योगदान करता है। इसकी सबसे अधिक हिस्सेदारी 2024 में रही। वाहनों से होने वाला प्रदूषण भी अहम योगदान करता है।अतीत की पहलें जिनमें निजी वाहनों पर एक किस्म की रोक शामिल रही है, वे अपेक्षित परिणाम पाने में मददगार नहीं हो सके हैं। अनुमान है कि परिवहन और उद्योग जगत शहर में प्रदूषण के दो प्रमुख कारक हैं क्योंकि सभी चौराहों पर यातायात की भीड़ के कारण उत्सर्जन का भारी दबाव रहता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

पुराना सबक

क्या शापित व्यक्ति शाप से बच सकता है? हालांकि, यह साबित करने के लिए कोई निर्विवाद अनुभवजन्य अध्ययन नहीं है, पर कई मशहूर डॉक्टरों का मानना है कि जिन रोगियों को अच्छे संदेश मिलते हैं और जिनके लिए उनके रिश्तेदार, दोस्त और प्रशंसक प्रार्थना करते हैं, वे तेजी से ठीक होते हैं। अनेक चिकित्सक भी दुआ के असर पर यकीन करते हैं। अक्सर याद किया जाता है कि 1982 में फिल्म कुली की शूटिंग के दौरान अमिताभ बच्चन बुरी तरह घायल हुए थे। बड़े डॉक्टर भी उनके पूर्ण स्वस्थ होने की गारंटी नहीं दे पा रहे थे। पूरे भारत में अमिताभ के प्रशंसकों ने उनके पूर्ण और शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों, मजारों और चर्चों में प्रार्थनाएं हुईं। कमाल देखिए, अमिताभ बच गए और 82 की उम्र में भी मजबूती से काम कर रहे हैं ! बिना शक साबित होता है : दुआओं में बहुत दम है। रामायण और महाभारत काल में, विद्वान ऋषि-मुनि के पास कोई सेना या टैंक या मिसाइल नहीं होती थी। वह पीड़ा पहुंचाने वालों को श्राप देते थे और श्राप के विनाशकारी प्रभाव से कोई बच नहीं पाता था। रामायण के बाल कांड में दिलचस्प उदाहरण है। ऋषि गौतम की अनुपस्थिति में उनकी पत्नी अहल्या की सुंदरता से मोहित होकर भगवान इंद्र ने गौतम ऋषि का रूप धरकरगलत काम किया। जब गौतम ऋषि को व्यभिचार का पता चला, तब इंद्र को श्राप मिला ही, ऋषि ने अहल्या को पत्थर में बदल जाने का श्राप दे दिया। वर्षों बाद जब राम आए, तभी अहल्या का उद्धार हुआ। राजा दशरथ ने मरने से पहले कौशल्या को बताया था कि श्रवण कुमार को उन्होंने गलती से मार डाला था, तो उसके माता-पिता ने उन्हें श्राप दिया था कि वह भी अपने बेटों को देखने के लिए तरसते मरेंगे। हम सभी भगवान कृष्ण की कथा जानते हैं। कौरवों की मां गांधारी ने कृष्ण को श्राप दिया था कि पूरा यादव वंश समाप्त हो जाएगा। कृष्ण स्वयं एक पेड़ के नीचे आराम करते समय एक शिकारी के प्रहार के बाद शरीर त्याग को विवश हुए थे। ध्यान रहे, मध्यकाल में संत कबीर ने असहायों पर अत्याचार न करने का उपदेश देते हुए दोटूक कहा था- दुर्बल को न सताइए जाकी मोटी हाय । मुए ढोर के चाम से लौह भसम हो जाए। लगभग हर धर्म कहता है, असहाय को न सताइए, पर क्या होता है? यह एक खुला रहस्य है कि 1979 में पाकिस्तानी राष्ट्रपति जिया-उल-हक ने जुल्फिकार अली भुट्टो की जान बचाने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सहित विश्व के नेताओं की 30 से अधिक दया अपीलों को नजरअंदाज कर दिया था। उन्हें जरा भी एहसास नहीं था कि भुट्टो की फांसी के दस साल बाद वह भी संदिग्ध हवाई दुर्घटना (17 अगस्त, 1988) में छोटे-छोटे टुकड़ों में उड़ जाएंगे और उनकी मौत भुट्टो से भी बदतर होगी। क्या 'अभिशाप और अभिशापित' की घटनाएं इजरायल-हमास-हिजबुल्लाह संघर्ष में भी प्रतिबिंबित हो सकती हैं? लंबे समय से चले आ रहे इस संघर्ष में 20,000 से भी अधिक मासूम बच्चों ने अपनी जान गंवाई है और जीवित बचे लोगों का जीवन नरक से भी बदतर बीत रहा है। क्या संघर्ष के उस बड़े क्षेत्र में लोग मदद या प्रार्थना की गुहार नहीं लगा रहे हैं? क्या कहीं कोई सर्वोच्च शक्ति है, जो देर-सबेर गलत काम करने वालों को दंडित करेगी ? ईश्वर या कुदरत की योजनाओं को कौन समझ सकता है ? केवल समय बताएगा। गांधीजी कहते थे कि यदि आप अपनी आंखों के सामने अनियंत्रित हिंसा होते देखते हैं और इसका विरोध नहीं करते हैं और सक्षम होने के बावजूद इसे रोकने के लिए कुछ नहीं करते हैं, तो आप भी हिंसा के लिए समान रूप से दोषी हैं।

आर्यिका संघ के पिच्छिका परिवर्तन समारोह में भक्ति के रंग बिखरे

नौगामा. शाबाश इंडिया

सर्वतोभद्र महामंडल विधान के अन्तर्गत परम पूज्य पवित्रमति माताजी के सानिध्य में समोशरण में विराजमान प्रतिमाओं की शांतिधारा ओर अभिषेक भरत चक्रवति सुभाष नानावटी, सौधर्म इन्द्र कैलाश पिण्डांरमिया, कुबेर इन्द्र राजेश पिण्डारमिया एवं समस्त इन्द्र व मंडलेश्वर राजाओं ने अभिषेक किया। विधान में देव शास्त्र गुरू की पुजन बाल ब्रह्मचारी अनिल भैया ,विधानाचार्य रमेश गांधी व विणा दीदी, प्रियंका दीदी के निर्देशन में सर्वतोभद्र पूजन के अर्घ्य चढाए गए । इस अवसर पर गीतकार राजेश के स्वर लहरीयों के साथ बडे भक्ति भाव से गरबा नृत्य करते सभी ने अर्घ्य चढ़ाए। विधान में उदासिन आश्रम, प्रतिभा स्थली से दीदीयों का आगमन हुआ। उन्होंने आचार्य विद्यासागरजी महाराज के प्रकल्प में हैंडलुम, प्रतिभास्थली के बारे में जानकारी देते हुए अपने बच्चो को भेजने का आह्वान किया।इस दौरान बाहर से पधारे इन्दोर, हाटपिपलीया, उज्जेन, मंदसौर, खांदुकॉलोनी, परतापुर, मंडी बामोरा के श्रद्धालुओं ने माताजी को श्रीफल व शास्त्र भेंट किया। पिच्छीका परिवर्तन प्रारंभ में आदिनाथ जिन मंदिर से भव्य रथयात्रा निकली। बग्घीयों में पिच्छीकाओं को रखकर गाजे बाजे के साथ आचार्य विद्यासागरजी महाराज के जयकारो के साथ शोभायात्रा विधान मंडप स्थल पर पहुंची ।जहां जैन पाठशालाओं की बालिकाओं ने मंगलाचरण किया एवं जैन पाठशाला के बच्चो ने समुह पिच्छी परिवर्तन गीत पर नृत्य किया। आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज की पूजन के अष्ट द्रव्य थाल सजाकर बडे भक्ति भाव से नाचते गाते महिला मंडल,बालिका मंडल, बहु मंडल व चातुर्मास कमेटी ने अर्घ्य चढ़ाए। आयोजन में प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया सुयश अशोक नगर, मौनु भैया मुंगावली, विजय भैया का आगमन होने पर चातुर्मास कमेठी ने स्वागत अभिनंदन किया साथ ही आस पास के गांवो के श्रेष्ठीजनों ने श्रीफल भेंट कर अपने नगर आगमन को लेकर आर्यिका संघ से निवेदन किया ।रिमोट से चलने वाली गाडी से जब प्रथम पिच्छीका मंच तक पहुंची तो सयंम धर्म की जयकारा के साथ सभी ने अभिवादन किया। आर्यिका पवित्रमति माताजी ने कहा संयम का उपकरण पिच्छीका वही भाग्याशाली परिवार प्राप्त कर रहा है जो व्रत,सयंम व नियमो का पालन कर अपने जीवन के मार्ग को आगे बढाते हुए मोक्ष मार्ग की और जाएगा। प्रथम पिच्छीका देने का सोभाग्य पंचोरी केसरीमल पुत्र शांतिलाल, दुसरी पिच्छीका नानावटी निलेश पुत्र मोहनलाल व तीसरी पिण्डारमिया मोहनलाल जैन विरोदय ट्रस्ट कमेटी अध्यक्ष प्राप्त ने किया। आर्यिका पवित्रमति माताजी की पिच्छीका प्राप्त करने का सौभाग्य पिण्डारमिया जीतमल जैन व चमेली देवी, आर्यिका करणमति माताजी की पिच्छीका सुरेश पंचोरी व विणा पंचोरी, गरिमा मति माताजी की पिच्छीका अश्विन नानावटी व अर्चना को पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने पूण्यार्जन किया।

आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल कॉलेज, होस्पिटल एंड नेचुरोपैथरी रिसर्च सेंटर के लिए राज्य सरकार के साथ 50 करोड़ का अनुबंध

लाडनूं के जैविभा विश्वविद्यालय एवं राज्य सरकार के आयुष विभाग के साथ हुआ एमओयू

लाडनूं. शाबाश इंडिया

राजस्थान सरकार के आयुष विभाग और जैन विश्वभारती संस्थान के बीच नेचुरोपैथी चिकित्सा सुविधा और उसके विकास को लेकर एक 50 करोड़ रूपयों की परियोजना का एमओयू हुआ है। सरकार के साथ यह परस्पर समझौता करार जैविभा विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल कॉलेज, अस्पताल और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र के लिए किया गया है। इससे लाडनूं में नेचुरोपैथी चिकित्सा पद्धति से उपचार, अनुसंधान और विकास को बल मिल सकेगा। सन् 2025 से प्रारम्भ होने वाले इस परियोजना के एमओयू से बड़ी संख्या में लोगों को इस क्षेत्र में रोजगार मिल सकेगा तथा बड़ी संख्या में लोग नेचुरोपैथी चिकित्सा से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इस नेचुरोपैथी परियोजना के लिए विश्वविद्यालय को राजस्थान सरकार अपनी मौजूदा नीतियों, नियमों और विनियमों के अनुसार राज्य के संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमति और मंजूरी आदि प्राप्त करने में भी सुविधा प्रदान करेगी।इस एमओयू पर राजस्थान सरकार के आयुष विभाग की ओर से आयुर्वेद निदेशक डा. आनन्द कुमार शर्मा और जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय की ओर से रजिस्ट्रार डा. अजयपाल कौशिक ने हस्ताक्षर किए हैं। इस एमओयू सम्बंधी प्रस्ताव राजस्थान की पिछली सरकार के समय से लम्बित पड़ा था, जिसे इस सरकार ने मंजूरी प्रदान की है।

प्रेषक शरद जैन सुधांशु, लाडनूं

वरुण पथ पर हुई पदम प्रभु भगवान की प्रतिमा विराजमान

पिच्छिका परिवर्तन के पोस्टर का विमोचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर में विराजमान परम पूज्य आचार्य गुरुवर शशांक सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में आज याग मंडल विधान का आयोजन किया गया इस अवसर पर पदम प्रभु भगवान की नवीन प्रतिमा को कमल शुद्धि करके विराजमान किया गया इस अवसर पर पुण्यार्जक परिवार पूनम चंद, उमेश, नितेश आंधीका अजय जैन मोजमाबाद का समाज समिति के अध्यक्ष एमपी जैन कोषाध्यक्ष कैलाश सेठी द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। प्रचार संयोजक विनेश सोगानी ने बताया कि परम पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में एवं प्रतिष्ठाचार्य प्रद्युम्न जी शास्त्री के निर्देशन में भगवान पदम प्रभु जी को बेदी पर विराजमान कर पूर्ण विधि विधान से अभिषेक एवं शांति धारा करने के पश्चात कमल शुद्धि करके विराजमान किया गया इस अवसर पर उपस्थित जन समुदाय को मंगल आशीर्वाद देते हुए परम पूज्य आचार्य गुरुवर शशांक सागर जी महाराज ने कहा कि प्रतिमा को विराजमान करना साधारण व्यक्ति का काम नही है जिस व्यक्ति ने या जिस परिवार ने अपने जीवन में अधिक से अधिक पुण्य का संचय किया हो उसे ही यह सौभाग्य प्राप्त होता है इसलिए बन्धुओं हमें इस परिवार द्वारा किए गए कार्य की अनुमोदन करनी चाहिए और यह मानसरोवर के समस्त परिवारों का पुण्य है। मूल नायक भगवान महावीर का अतिशय है की अल्प समय में ही हमने हमारी समस्या का समाधान कर लिया इतने कम समय में समस्या का समाधान हो जाना ही हमारे पुण्य की वृद्धि को दर्शाता है। उपाध्यक्ष राजेंद्र सोनी ने बताया कि दिनांक 24 नवंबर 2024 को परम पूज्य आचार्य गुरुवर शशांक सागर जी महाराज की पिच्छिका परिवर्तन समारोह के पोस्टर का विमोचन किया गया। विमोचन कर्ता के रूप में युवा समाज सेवी राजेंद्र जैन मोजमाबाद समाज की वरिष्ठ सदस्या भंवरी देवी काला अध्यक्ष एमपी जैन कार्यक्रम संयोजक विनेश सोगानी, प्रतिष्ठा आचार्य प्रद्युम्न शास्त्री, मनीष गोधा द्वारा पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में पोस्टर का विमोचन करवाया गया। इस अवसर पर एमपी जैन राजेंद्र सोनी कैलाश सेठी वीरेश जैन टीटी निर्मल शाह पदमचंद जैन भरतपुर सतीश कासलीवाल मांगीलाल सेठी बाबूलाल जैन भंवरी देवी काला श्रीमती अंजू जैन बसंती देवी मौजमाबाद कृष्णा जैन ने अपनी उपस्थिति प्रदान की।

24 वां पातन वर्षायोग 2024
मानसरोवर, जयपुर
मूलनायक 1008 श्री महावीर स्वामी
बुन्देलखण्ड केशरी आचार्य श्री 108 सिद्धांतसागर जी महाराज
चतुर्थ पट्टाधीश, राष्ट्रसंत आचार्य श्री 108 सुनीलसागर जी मुनिराज
श्री दिगम्बर जैन मन्दिर वरुण पथ, मानसरोवर-जयपुर
वात्सल्य मूर्ति, कवि हृदय आचार्य श्री 108 शशांकसागर जी मुनिराज
एवं मुनि श्री 108 संदेशसागर जी महाराज ससंघ
पिच्छिका परिवर्तन समारोह
रविवार, 24 नवम्बर 2024
दोपहर 12.15 बजे
स्थान :
आचार्य विद्यासागर सभागार भवन
(मंदिरजी में स्थित)
वात्सल्य मूर्ति, कवि हृदय
आचार्य श्री 108 शशांकसागर जी मुनिराज
मुनि श्री 108 संदेशसागर जी महाराज
विधानाचार्य
जैन दर्शनाचार्य युवा विद्वान
पं. श्री प्रद्युम्नकुमार जी जैन 'शास्त्री'
पाद-प्रक्षालनकर्ता
श्री हिमांशु जी-श्रीमती शिवानी जी जैन
चित्र अनावरण
श्रीमान् निर्मल जी शाह, श्री संतोष जी कासलीवाल, श्रीमती अंजु जी जैन, श्रीमती सरोज जी जैन, श्रीमती सुमन जी जैन, श्री धर्मचन्द जी काला, श्री राजकुमार जी पाटोदी
कार्यक्रम संयोजक
विनेश सौगाणी
मो. 9829150784
संगीतकार
महेश महुवा एण्ड पार्टी
आमंत्रित श्रेष्ठीजन
श्री अशोक जी पाटनी (आर.के. मार्बल)
श्री सुभाष चन्द जी जैन
श्री उमराव मल जी सांघी
श्री महेश जी काला
श्री राजकुमार जी कोठ्यारी
श्री शैलेश जी गोधा
श्री मोहित जी राणा
श्री राजीव जी गाजियाबाद
श्री विजय जी दीवान
श्री मनीष जी बैद
श्री प्रदीप जी जैन लाला
श्री राकेश जी गोदिका
श्री राकेश जी गोधा
सम्मानीय अतिथिगण
श्री अशोक चांदवाड़
श्री राकेश जी गंगवाल
श्रीमती भँवरी देवी, निर्मल जी काला
श्री विनय सौगानी
श्रीमती मधु जी चाँदवाड़
श्री सुरेन्द्र जी जैन
श्री आलोक जी मित्तल
सभी मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है। कार्यक्रम में पधारकर आचार्यश्री का आशीर्वाद प्राप्त करें एवं पुण्यार्जन करें।
आयोजक : श्री दिगम्बर जैन समाज समिति, वरुण पथ, मानसरोवर-जयपुर
अध्यक्ष
एम. पी. जैन
मो. 9829250770
उपाध्यक्ष
राजेन्द्र सोनी
मो. 9001000549
कोषाध्यक्ष
कैलाश चन्द सेठी
मो. 9414195833
संगठन मंत्री
विनेश सौगाणी
मो. 9829150784
उपसंगठन मंत्री
मुकेश कासलीवाल
मो. 9413968604
मंत्री
ज्ञानचन्द बिलाला
मो. 9414778804
कार्यकारिणी सदस्य
बीरेश जैन (टी.टी.) मो. 9461711111
अनिल जैन सोडा वाले मो. 9414016273
अरविन्द गंगवाल मो. 9829352021
नरेन्द्र कासलीवाल मो. 9024765301
राकेश चाँदवाड़ मो. 9828081749
अनिल दीवान मो. 9828621901
ताराचन्द वैद मो. 9829455214
महिला मंडल
मुनिसंघ व्यवस्था समिति
सहवृत्त सदस्य- * सुरेश जैन, बांदीकुई * पदमचन्द जैन भरतपुर वाले * अजीत जैन (BOB) * सतीश कासलीवाल * गिरीश जैन * कमल गोदिका * विमल बाकलीवाल
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, वरुण पथ-मानसरोवर-जयपुर
मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) जयपुर मो. 9829050791

अकेले पड़ते बुजुर्गों की बढ़ती मुश्किलें

देश के वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बहुत से वरिष्ठ नागरिक गंभीर आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनकी कोई नियमित आय नहीं है, पेंशन या सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं तक उनकी पहुँच सुलभ नहीं है। बुजुर्गों की सामाजिक जरूरतें क्या हैं? ये जरूरतें सेहत के लिए जरूरी हैं, जिनमें परिवार और दोस्तों के साथ सम्बंध, सार्थक गतिविधियों में भागीदारी और स्वायत्तता और गरिमा का संरक्षण शामिल है। इन जरूरतों को सम्बोधित करना सिर्फ.फायदेमंद ही नहीं है; यह हमारी वृद्ध आबादी के स्वास्थ्य और खुशी के लिए भी जरूरी है। वृद्धों की सामाजिक जरूरतों को पूरा करना एक नाजुक पौधे की देखभाल करने जैसा है। उन्हें खिलने के लिए सावधानीपूर्वक ध्यान, निरंतर देखभाल और पोषण देने वाले वातावरण की आवश्यकता होती है। आखिरकार, सामाजिक जरूरतें सिर्फ. मानवीय संपर्क की बुनियादी जरूरतों से कहीं ज्यादा हैं। वे किसी व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य का आधार बनती हैं, जो शारीरिक स्वास्थ्य और भावनात्मक स्थिरता दोनों को प्रभावित करती हैं। बुजुर्गों (60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति) की संख्या 2011 में 100 मिलियन से बढ़कर 2036 में 230 मिलियन हो जाएगी। 2050 तक, बुजुर्गों की आबादी कुल आबादी का लगभग पाँचवाँ हिस्सा होने की उम्मीद है। इससे भारत में बुजुर्गों की आबादी का कल्याण एक आसन्न आवश्यकता बन जाती है। बुजुर्गों की आर्थिक कमजोरी जैसे कि अनौपचारिक क्षेत्र के बड़े कार्यबल में पेंशन कवरेज का अभाव है। (भारत में 80% से अधिक कार्यबल अनौपचारिक है) स्वास्थ्य सेवा की बढ़ती लागत और सीमित बचत वित्तीय चुनौतियों को बढ़ाती है। प्रवास और बदलती संरचनाओं के कारण परिवार की सहायता प्रणाली कमजोर हो रही है। पेंशन कवरेज का विस्तार करें, किफायती स्वास्थ्य बीमा शुरू करें (आयुष्मान भारत योजना का विस्तार सभी बुजुर्गों के लिए एक अच्छा कदम है), वरिष्ठ नागरिकों के लिए निवेश विकल्प बनाएं और रिवर्स मॉर्गेज को बढ़ावा दें। वरिष्ठ नागरिक समाज में अलगाव की स्थिति से भी त्रस्त हैं। उनमें सामाजिक संपर्कों की कमी के कारण अकेलापन बना रहता है। उनको अपनी संपत्ति की सुरक्षा और अपने साथ होने वाले अपराधों से बचाव की भी जरूरत होती है। वरिष्ठ नागरिकों, खासकर अकेले रहने वाले व्यक्तियों, के साथ उनकी संपत्ति से जुड़े और उनके साथ होने वाले अपराधों के समाचार आते रहते हैं। संयुक्त परिवारों और प्रवास में कमी के कारण कई बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं, जिससे अवसाद और चिंता होती है। सांस्कृतिक बदलावों ने अंतर-पीढ़ीगत सम्बंधों को भी प्रभावित किया है। बुजुर्गों के प्रति पारंपरिक सम्मान और श्रद्धा, जो कभी भारतीय समाज की आधारशिला हुआ करती थी, अब सूक्ष्म बदलावों से गुजर रही है। बुजुर्ग महिलाएँ, खास तौर पर विधवाएँ, अक्सर सामाजिक अलगाव के ज्यादा गंभीर रूपों का सामना करती हैं। प्रौद्योगिकी के साथ चुनौतियाँ डिजिटल विभाजन बुजुर्गों को और अलग-थलग कर देता है। सामुदायिक जुड़ाव कार्यक्रम, वरिष्ठ क्लब, अंतर-पीढ़ी कार्यक्रम और स्वयंसेवा के अवसर हैं। बुजुर्गों के कल्याण के लिए उपाय जैसे कि बुनियादी ढाँचा विकास, आयु-अनुकूल स्थान, सुलभ परिवहन और वृद्धावस्था स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करेगा, जिससे गतिशीलता, स्वतंत्रता और सामाजिक संपर्क में सुधार होगा। ऑनलाइन सेवाओं तक पहुँचने के लिए बुजुर्गों के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम। मानवीय संपर्क बनाए रखने के लिए टेलीमेडिसिन और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली। सरकार, गैर सरकारी संगठनों (एजवेल फाउंडेशन), निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों के बीच सहयोग जरूरी है। धार्मिक संस्थाएँ सामाजिक और आध्यात्मिक सहायता प्रदान कर सकती हैं। अवसाद और चिंता से निपटने के लिए सुलभ परामर्श, सहायता समूह और गतिविधियाँ। पारिवारिक सहायता को मजबूत करना और परामर्श और अंतर-पीढ़ी कार्यक्रमों के माध्यम से पारिवारिक बंधन को बढ़ावा देना। बहु-पीढ़ी के परिवारों के लिए प्रोत्साहन जैसे कि स्विट्जरलैंड की टाइम बैंक पहल की नकल। इस पहल के तहत, युवा पीढ़ी वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल करके 'समय' बचाना शुरू करती है। बाद में, वे बचाए गए 'समय' का उपयोग तब कर सकते हैं जब वे बूढ़े हो जाते हैं, बीमार हो जाते हैं या उन्हें किसी की जरूरत होती है जो उनकी देखभाल करे। इस पहल को भारतीय व्यवस्था में लागू किया जाना चाहिए। भारत को भविष्य में सेवानिवृत्ति की आयु को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाना चाहिए ताकि युवा पीढ़ी के अवसरों को जोखिम में न डाला जा सके। बुजुर्ग आबादी के लिए सरकारी योजनाएँ जैसे वृद्ध व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय नीति 2011, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, राष्ट्रीय वयोश्री योजना, प्रधानमंत्री वय वंदना योजना, वरिष्ठ देखभाल एजिंग ग्रोथ इंजन पहल और पोर्टल इसे सुचारू और मजबूत बनाएंगे। बुजुर्ग भारत अपने बुजुर्गों के लिए एक देखभाल करने वाला भारत भी हो सकता है। दोनों पहलुओं (वित्तीय और साथ ही सामाजिक कमजोरियों) को सम्बोधित करने वाली समावेशी, सुलभ और व्यापक कल्याण योजनाएँ बनाकर, भारत यह सुनिश्चित कर सकता है कि उसकी बुजुर्ग आबादी सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक जुड़ाव के साथ आगे बढ़े। वृद्धों की सामाजिक जरूरतों को सम्बोधित करना उनके समग्र कल्याण के लिए महत्त्वपूर्ण है। चाहे वह सार्थक सम्बंधों को बढ़ावा देना हो, नियमित सामाजिक संपर्कों को प्रोत्साहित करना हो, स्वतंत्रता को बढ़ावा देना हो, या पेशेवर सहायता और सेवाएँ प्रदान करना हो, प्रत्येक तत्व सफल बुढ़ापे को सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जबकि सामाजिक अलगाव और सामाजिक भागीदारी में बाधाओं जैसी चुनौतियाँ मौजूद हैं, उन्हें व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामुदायिक और पेशेवर सहायता से दूर किया जा सकता है। जैसा कि हम अपनी वृद्ध आबादी की सेवा करना जारी रखते हैं, आइए याद रखें कि उनकी सामाजिक जरूरतें उनकी शारीरिक जरूरतों जितनी ही महत्त्वपूर्ण हैं। आखिरकार, एक अच्छी तरह से जीया गया जीवन एक अच्छी तरह से जुड़ा हुआ जीवन है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ,
कवि, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,

कायस्थ क्रिकेट फेस्टिवल-5 का आगाज

जोधपुर. शाबाश इंडिया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कायस्थ समाज के 45 वर्ष से अधिक उम्र उठ के प्रतिभागियों के लिए क्रिकेट फेस्टिवल-5 का आयोजन 21 दिसंबर से जोधपुर में पाल बालाजी मंदिर के निकट स्थित ठाकुर जी ग्राउंड में किया जाएगा। प्रतियोगिता में कुल छह टीमें बनाई गई है जिनके मैच 21,22,25,28 एंव 29 दिसंबर को प्रातः 10 बजे से कराए जाएंगे। ''पहले आओ पहले पाओ'' के आधार पर खिलाड़ियों का चयन किया गया है। विजेता टीम को हर वर्ष की भांति पुरस्कृत किया जाएगा। अनिल माथुर ने हमारे संवाददाता को बताया कि टूर्नामेंट की सभी तैयारियां पुरी कर ली गई है ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

महासमिति गौरव सम्मान से सुरेन्द्र पांडया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति के स्वर्णिम वर्ष के अवसर पर महासमिति में किए उल्लेखनीय कार्य के लिए महासमिति के` राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र जैन पांड्या को महासमिति गौरव सम्मान से नवाजा गया। पांडया को यह सम्मान मुनि समत्व सागर महाराज एवं मुनि महिमा सागर और मुनि शील सागर महाराज के सानिध्य में कीर्ति नगर दिगंबर जैन मंदिर के प्रांगण में दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल की ओर से आयोजित` समारोह में` मुख्य अतिथि समाजश्रेष्ठी विवेक काला समारोह अध्यक्ष उत्तम कुमार पांडया,राजस्थान अंचल के अध्यक्ष रिटायर्ड आईपीएस अनिल जैन व` महामंत्री महावीर बाकलीवाल` सहित अन्य अतिथियों ने तिलक, माला व साफा स्मृति चिन्ह देकर किया। इस मौके पर वीरेन्द्र कुमार सेठी,स्व.महेन्द्र कुमार पाटनी,स्व.राजेन्द्र के.गोधा,लल्लू लाल बैनाडा व रतन लाल गंगवाल का भी सम्मान किया गया।

दिगम्बर पल्लीवाल जैन मंदिर में भक्तामर विधान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर पल्लीवाल जैन मंदिर में दिनांक 20 नवंबर को प्रातः भक्तामर विधान बहुत ही भक्तिमय रूप से किया गया। विधान पुण्यार्जक मीनू गंगवाल ने दीप प्रज्ज्वलित किया।सुनीता अजमेरा के निर्देशन में मंडल की सभी महिलाओं ने विधान में भाग लेकर धर्म लाभ लिया।

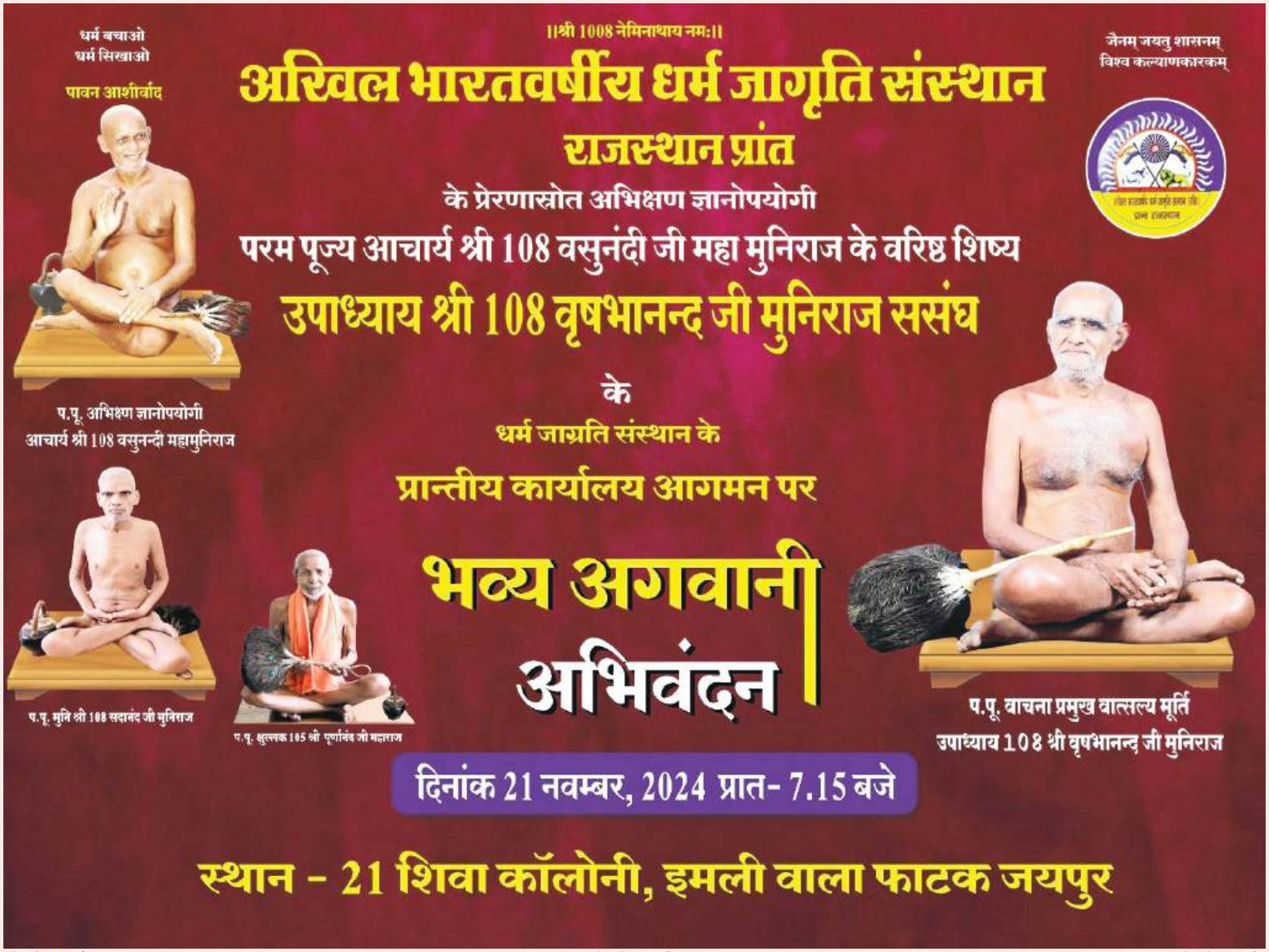

श्री दिगम्बर जैन मंदिर गायत्री नगर, महारानी फार्म द्वारा मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज को श्रीफल भेंट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा में विराज रहे परम पूज्य मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज के दिनांक 20.11.2024 बुधवार को प्रवचन के पश्चात श्री दिगम्बर जैन मंदिर गायत्री नगर, महारानी फार्म, दुगार्पुरा के अध्यक्ष कैलाश चन्द छाबड़ा के साथ समस्त कार्यकारिणी राजेश बोहरा, उदयभान , सुरेश , अजित ने मुनिश्री ससंघ को गायत्री नगर जैन मंदिर में प्रवास हेतु श्रीफल भेंट किया। मुनिश्री ने आशीर्वाद प्रदान किया। श्री दिगम्बर जैन मन्दिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुगार्पुरा के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़, मंत्री राजेन्द्र काला, उपाध्यक्ष सुनील संगही, संयुक्त मंत्री महावीर प्रसाद बाकलीवाल ने गायत्री नगर जैन मन्दिर की कार्यकारिणी के अध्यक्ष मंत्री व सदस्यों का तिलक, माला व दुपट्टा पहना कर स्वागत किया।

नई पीढ़ी को संस्कारी बनाने के लिए वैष्णव जन आगे आएं: श्रीजी महाराज

श्रीजी महाराज के जयकारों से गूंजा आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर परिसर, निम्बार्क जयंती महोत्सव में भक्ति संध्या में श्रद्धालु हुए भक्ति रस से सराबोर

जयपुर. शाबाश इंडिया। निंबार्क जयंती महोत्सव चल रहे कार्यक्रमों की कड़ी में बुधवार को छोटी काशी जयपुर में जगतगुरु श्री श्रीजी महाराज का सानिध्य पाकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। चांदनी चौक स्थित श्री आनन्द कृष्ण बिहारी जी के मन्दिर जगद्गुरु श्री श्रीजी महाराज और संत वृंदों का वैष्णव जनों ने दर्शन और चरण बंदन किया। इस अवसर पर श्री जी महाराज ने आशीर्वचनों में निंबार्क संप्रदाय के द्वैताद्वैत सिद्धांत पर प्रकाश डाला। धर्मसभा को संबोधित करते हुए श्री श्रीजी महाराज ने वैष्णव जनों से युवा वर्ग में सनातन संप्रदाय की रीति नीति के संस्कार डालने का आह्वान किया। उन्होंने नई पीढ़ी को संस्कारी बनाने के लिए उसे नित्य कर्म और संध्या वंदन के साथ ठाकुर सेवा से जोड़ने की सीख दी। श्री सर्वेश्वर संसद, निंबार्क सत्संग मंडल, निंबार्क महिला मंडल और नवयुवक मंडल के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस उत्सव के तहत भजन गायक जुगल सैनी के नेतृत्व में अन्य कलाकारों के सुमधुर भजनों से श्रद्धालु भक्तिरस से सराबोर हुए। थांकी जय हो अरुण कुमार जयंती के लाला..., गोविन्द मेरो है गोपाल मेरो है..., मेरे मनमोहन की प्यारी राधे वृषभानु दुलारी जैसे व्रजभाषा के चिरपरिचित गीतों पर रसिकता भावविभोर हुए। निंबार्क जयंती महोत्सव के तहत 21 नवंबर गुरुवार को दोपहर 3 बजे से बधाई गान व शाम 6बजे छठी महोत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर स्थानीय भजन मंडलिया भजनों से ठाकुर जी को रिझाएंगे।

श्रीमान पदम जैन बिलाला

अध्यक्ष: जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर जयपुर
अध्यक्ष: सांगाका बास (जिला जयपुर) जैन मन्दिर
कार्याध्यक्ष: अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम
वरिष्ठ उपाध्यक्ष: अखिल भारतीय किशनगढ़ रेनवाल प्रवासी मण्डल
मुख्य संयोजक: श्री दिगंबर जैन समाज समिति टोंक रोड संभाग, जयपुर
क्षेत्रीय सचिव: CBROA राजस्थान
निदेशक: JPB Social Foundation
कार्य. सदस्य: जैन मन्दिर महासंघ राजस्थान।
कार्य. सदस्य: राज. जैन साहित्य परिषद।
महासमिति सदस्य: दिगम्बर जैन संस्कृत कॉलेज, जयपुर।
प्रातीय अध्यक्ष: अ. भा. धर्म जागृति संस्थान
प्रांतीय उपाध्यक्ष: अ. भा. दि. जैन महासभा (धर्म संरक्षिणी)
मुख्य ट्रस्टी: ताईजी चेरिटबल ट्रस्ट, जयपुर।

Happy Birthday

मोबाईल नम्बर 9314024888

को जन्म दिन (21 नवम्बर) की

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु: सकल जैन समाज, जयपुर

सप्त भूमि पर की गई तीर्थंकरों की पूजा-अर्चना

कल्पद्रुम महामंडल विधान का तीसरा दिन, 24 नवंबर को नगर में निकलेगी दिग्विजय यात्रा

गुणों की उच्चता ही जीव को जिनेंद्र बना सकती है : मुनि समत्व सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर थाना सर्किल स्थित चित्रकूट कॉलोनी के कंवर का बाग स्थित राजगृही नगरी के विशाल पाण्डाल में चल रहे कल्पद्रुम महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में मंगलवार को समोवशरण की सप्त भूमि मंडित अहर्त चौबीस तीर्थंकरों की पूजा कर चक्रवर्ती एवं सौधर्म इंद्र के साथ अन्य इंद्र इन्द्राणियों ने भक्ति भाव से नृत्य करते हुए अर्घ्य समर्पित किये। मंत्री अनिल जैन काशीपुरा ने बताया कि सुबह विधानाचार्य विकर्ष शास्त्री एवं शुभम भैय्या बडा मलहारा के निर्देशन में विशेष पूजा अर्चना के साथ श्रीजी के अभिषेक कर शांति धारा की गई ।शांति धारा का सौभाग्य मैना देवी जितेंद्र दोसी मालपुरा, प्रकाश बोहरा प्रेम लता बोहरा लाखना एवं केवल चंद योगेश गंगवाल निमोड़िया परिवार को प्राप्त हुआ। पाद प्रक्षालन का सौभाग्य राजेंद्र - इंद्रा जैन कीर्ति नगर एवं शास्त्र भेट का सौभाग्य नरेंद्र, अनंत पहाड़िया मंगल विहार को प्राप्त हुआ।

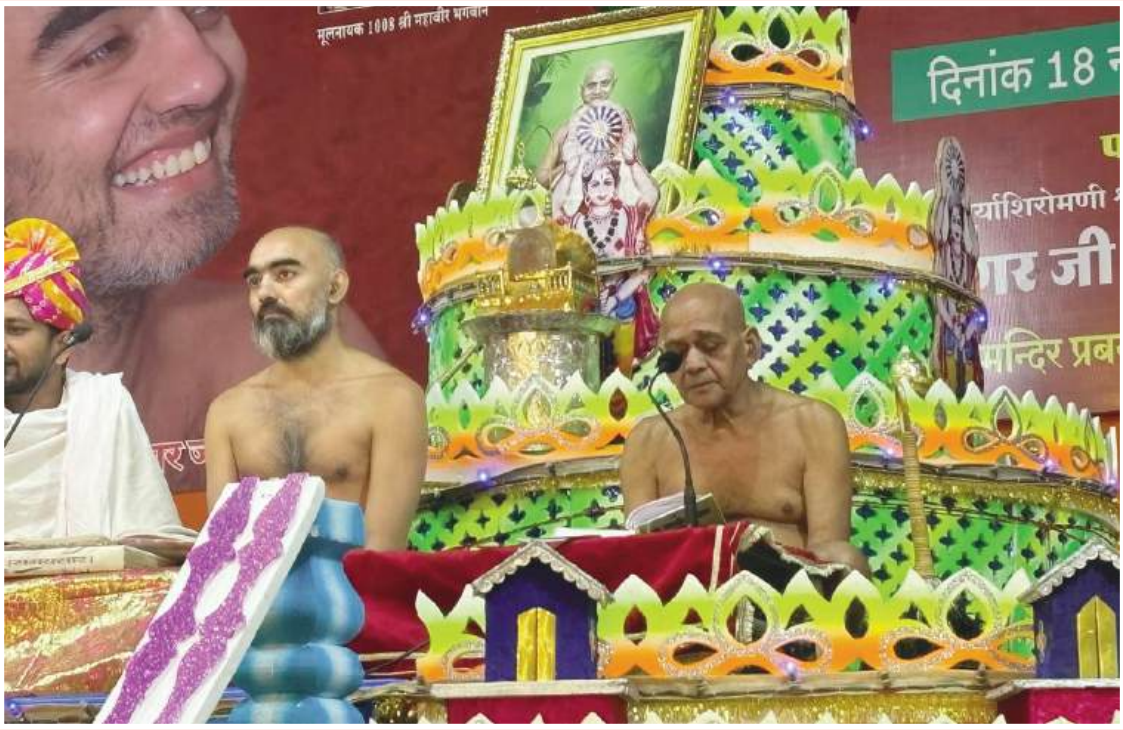

समाज श्रेष्ठियों ने भेंट किए श्रीफल

प्रशासनिक समन्वयक एडवोकेट महावीर सुरेंद्र जैन एवं संयोजक ओमप्रकाश कटारिया ने बताया कि मुनि द्वय के दर्शन करने एवं प्रवचन सुनने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। न केवल जयपुर शहर बल्कि बाहर से रोजाना मुनि भक्त आकर महाराज श्री को श्रीफल भेंट कर रहे है ।मंगलवार को राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष बैद, राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा , श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के संयुक्त मंत्री दर्शन जैन बाकलीवाल, समाजसेवी पदम पाटनी, जगदीश जैन, हरिश धाडूका, सुनील बज,मनीष बगड़ा, नितिन पाटनी सहित कीर्ति नगर, महावीर नगर, पारस नाथ कॉलोनी सहित कही स्थानों से आकर समाज श्रेष्ठियों ने मुनि श्री के चरणों में श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

जब तक संकुचित विचारधारा रहेगी जीवन उत्कृष्टता को प्राप्त नहीं कर सकता है: मुनि समत्व सागर

समोवशरण में धर्म सभा को मंगल उपदेश देते हुए मुनि समत्व सागर ने कहा कि संसार के सभी जीव अपने बारे में सोचते है तथा अपने समाज व राष्ट्र के बारे में नहीं सोचते है उनका जीवन संकुचित हो जाता है यदि जीवन में ऊँचाइयाँ प्राप्त करनी है तो संकुचित विचारधारा को छोड़कर अपने कृत्यों एवं वचनों में उत्कृष्टता लानी होगी । उन्हीं का जीवन श्रेष्ठ व उत्कृष्ट है जो प्राणीमात्र के प्रति करुणा का भाव रखते है। मुनि श्री ने कहा कि शास्त्रों में लिखा है कि मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे , नहीं सताऊ किसी जीव को नहीं किसी से बैर रखु। इसीलिए हमें सब प्राणियो के प्रति समता भाव रखना चाहिए। समोवशरण के बारे में बताते हुए महाराज ने कहा कि समोवशरण वह स्थान है जहाँ सबको समान शरण प्राप्त होती है यहाँ कोई ऊँचा नीचा नहीं होता है जिनके हृदय में समत्व का भाव आ जाता है वही जिनेंद्र देव बनकर सब जीवों के कल्याण के लिए उपदेश देता है। उन्होंने कहा कि गुणों की उच्चता ही जीव को जिनेंद्र बना सकती है।

शाम को बरसा भक्ति का रंग

मंगलवार शाम को समोवशरण में विराजित जिनेंद्र देव एवं मुनिगणों की भव्य महा आरती बाबूलाल सुरेश कुमार रमेश चंद निमोड़िया परिवार की ओर से की गई। महा आरती में भक्तों ने भजनों पर नृत्य कर आनंद बरसाया। विधानाचार्य पंडित विकर्ष शास्त्री ने शास्त्र चर्चा करते हुए समोवशरण के महत्व को समझाते हुए इसके बारे में बताया। रात्रि को स्थानीय महिला मंडल एवं नव युवक मंडल द्वारा नेमी का वैराग्य नाटिका का सजीव मंचन किया गया।

24 को निकलेगी भरत चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा

समिति सदस्य बाल मुकुंद सोगानी ने बताया कि मण्डल महाविधान में रविवार 24 नवम्बर को भरत चक्रवर्ती की विशाल दिग्विजय यात्रा निकलेगी जो समोवशरण से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई नगर भ्रमण करेगी। यात्रा में हाथी घोड़े बग्गी आदि लवाजमे के साथ बैंडबाजे के साथ केसरिया वस्त्र धारण किए इंद्रो के साथ श्रावकगण भी हाथो में पताकाये लेकर साथ साथ चलेंगे। बुधवार, 21 नवम्बर को प्रातः अभिषेक, शांतिधारा, विधान पूजा होगी। प्रातः 9.00 बजे मुनि श्री के मंगल प्रवचन होंगे। सायंकाल 6 बजे से गुरु भक्ति, आरती, शास्त्र प्रवचन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

-विनोद जैन कोटखावदा

संगिनी फॉरएवर ग्रुप द्वारा भव्य आयोजन

नववर्ष का स्वागत उत्साह और उल्लास के साथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी फॉरएवर ग्रुप की महिलाओं के लिए 20 नवंबर को माया नगरी में एक भव्य आयोजन किया गया। ग्रुप अध्यक्ष शकुंतला जी के अनुसार इस कार्यक्रम का उद्देश्य समूह की महिलाओं को एक साथ लाना और नववर्ष का स्वागत नई ऊर्जा और सकारात्मकता के साथ करना था। संगिनी सचिव सुनीता गंगवाल के द्वारा बहुत ही रोचक तरीके से मनोरंजन एवं शायराना अंदाज में संचालन किया गया । कार्यक्रम में मनोरंजक गेम्स, आकर्षक हाऊजी, धमाकेदार म्यूजिक और डांस जैसे कई रोचक गतिविधियों का आयोजन किया गया। सदस्यों ने बड़ी उत्साह के साथ भाग लिया और आयोजन का भरपूर आनंद उठाया। कोषाध्यक्ष उर्मिला ने बताया कि स्वादिष्ट व्यंजन और पकवानों की भरमार ने कार्यक्रम की रौनक को और बढ़ा दिया। इस अवसर पर श्रीमती सीमा साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, और दीप प्रज्वलन श्रीमती स्नेह लता जैन ने किया। गिफ्ट प्रायोजक के रूप में श्रीमती सोनिया जैन और श्रीमती सुनीता गंगवाल का योगदान सराहनीय रहा। खेल संयोजन की जिम्मेदारी श्रीमती बबीता जैन, श्रीमती अर्चना जैन, और श्रीमती बीना शाह ने संभाली। इस आयोजन में ग्रुप की नई सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। साथ ही, पिछले तीन महीनों में जिन सदस्यों का जन्मदिन और सालगिरह थी, उन्हें विशेष सम्मान देते हुए केक कटिंग समारोह का आयोजन भी किया गया। दोस्ती के गानों पर बिंदास नृत्य किए गए कार्यक्रम में शीला जैन अनीता जैन अलका जैन पुष्पा जैन चित्रा जैन मीनाक्षी जैन एवं अंजना जैन सभी ने अन्य व्यवस्थाओं में पूर्ण सहयोग किया। इस कार्यक्रम ने महिलाओं के बीच आपसी मेल-जोल बढ़ाने और सामुदायिक भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। नववर्ष की उमंग और खुशी से सराबोर इस आयोजन ने सभी को एक नया जोश और सकारात्मक ऊर्जा दी।

श्री कल्पद्रुम महामंडल विधान के अंतर्गत महा आरती का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर मे मुनि श्री 108 समत्व सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 शीलसागर जी महाराज के पावन सानिध्य मे श्री कल्पद्रुम महामंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी मे आज संध्या मे महाआरती का परम सौभाग्य श्री बाबूलाल जी, सुरेश जी, रमेश जी एवं समस्त गंगवाल परिवार, निमोड़िया वालो को प्राप्त हुआ। समस्त परिवार जनो ने धूमधाम से गाजे बाजे के साथ पांडाल मे पहुंच कर महाआरती करी।

वैश्विक साहित्य पढ़ने से दृष्टि व्यापक और मानवता विकसित होती है: डॉ. अलका अग्रवाल

डॉ. कृष्णा की चार पुस्तकों पर चर्चा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। राही सहयोग संस्थान के तत्वावधान में बुधवार को सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ कृष्णा रावत रचित एवं संपादित चार पुस्तकों पर चर्चा का आयोजन किया गया। संस्थान निदेशक प्रबोध कुमार गोविल के स्वागत उद्बोधन व विषय परिचय उपरांत डॉ कृष्णा रावत ने अपनी लेखन प्रेरणा और प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। स्वयंसिद्धा सुशीला शील ने डॉ कृष्णा रावत के जीवन वृत्त से अवगत कराया। इन्द्र कुमार भंसाली ने कहा कि इकराम राजस्थानी का लेखन गंगा-जमुनी तहजीब के संवाहक के रूप में है। वे सर्वधर्म समभाव के साथ आमजन का लेखन करते हैं । उनके लोकप्रिय राजस्थानी गीत 'इंजन की सीटी पर' सुना कर भाव विभोर किया। श्रीकृष्ण शर्मा ने इकराम जी के कुरान और गीतांजलि के राजस्थानी अनुवाद का ज़िक्र किया। व्यंग्यकार फारूक अफरीदी ने बताया कि इकराम राजस्थानी ने उर्दू शायरी के साथ शेख सादी के काम का भी राजस्थानी में अनुवाद किया।उनमें विलक्षण प्रतिभा है और उनकी कई रचनाएँ जन गीत का स्थान ले चुकी हैं। डॉ. नंद भारद्वाज ने उनके साथ बिताए समय को स्मरण करते हुए उनकी हाज़िर जवाबी, कुशल मंच संचालन और कार्य तत्परता को उनके व्यक्तित्व की विशेषता बताया। डॉ. रेखा गुप्ता ने डॉ रावत के निबंध पूर्णिमा की समीक्षा की। इस अवसर पर 'पाती अपनों की' मुहिम के प्रवर्तक प्रमुख उपन्यासकार और प्रशासनिक अधिकारी डॉ सूरज सिंह नेगी द्वारा डॉ कृष्णा रावत और साकार श्रीवास्तव 'फलक' द्वारा संकलित एवं संपादित पुस्तक 'चयनित पत्र पुष्प' और पुस्तक 'स्मृति में रचे-बसे अद्भुत पत्र' का लोकार्पण हुआ।

सखी का RIC में Fragrance of Grace कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

सखी गुलाबी नगरी द्वारा हमेशा की तरह एक और मनोरंजक कार्यक्रम फ्रेग्रेन्स ऑफ ग्रेस (राजस्थानी हो वेश पधारो म्हारे देश) का आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में किया गया।अध्यक्ष सारिका जैन ने बताया कि कार्यक्रम में सदस्यों के लिए राजस्थानी थीम रखी गई थी, कार्यक्रम संस्था की सदस्यों द्वारा महिला सशक्तिकरण की कुछ प्रस्तुतियाँ दी गई, जिसमें सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।साथ ही राजस्थानी नृत्य का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों को पारितोषिक दिए गये। समारोह की मुख्य अतिथि राज्य महिला एवं बाल विकास मंत्री मंजू वागमार ने अपने उद्बोधन में महिला शक्ती, राजस्थान की संस्कृति, बाल विकास पर प्रकाश डालते हुए सभी सदस्यों को शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम में विशेष अतिथि श्याम मसाले की डायरेक्टर ममता अग्रवाल ने अपनी उपस्थिति देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।कार्यक्रम का सुव्यस्थित संचालन प्रीति सक्सेना द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ढरख ज्वेलर्स का भी सहयोग रहा। संस्था के लगभग 280 सदस्यों ने लजीज व स्वादिष्ट भोजन का लुफ्त उठाया। सचिव स्वाति जैन ने बताया कि कार्यक्रम में सभी सदस्य राजस्थान की संस्कृति को दशार्ते हुए एक पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में पधारे।कार्यक्रम को सभी कमेटी मेंबर्स ने कड़ी मेहनत के साथ खूबसूरती से संजोया। जिसे अतिथियों और संस्था के सभी सदस्यों ने आखिरी तक सराहा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों को श्याम मसाले की और से एक आकर्षक मसालो का गिफ्ट हैंपर उपहार में दिया गया।

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में भामाशाह ने 12 सीमेंट की बैंच की भेंट

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय अजमेर में एक भामाशाह राजा डी. हरवानी की ओर से बारह सीमेंट की बेंच भेंट की गई है। स्वर्गीय मोहिनी देवी और स्वर्गीय देवेंद्र दास की स्मृति में पुण्य कार्य किया गया है। चिकित्सालय के नवनिर्मित वेटिंग हॉल के लिए यह बेंच मरीजों और उनके परिजनों के लिए आरामदायक बैठने की व्यवस्था प्रदान करेंगी। प्रधानाचार्य डॉक्टर अनिल समारिया, अधीक्षक डॉक्टर अरविंद खरे और उपाध्यक्ष डॉक्टर अमित यादव ने भामाशाह राजा डी. थारवानी का स्वागत किया और उनका आभार व्यक्त किया। सतगुरु ग्रुप ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी चिकित्सालय के आपातकालीन इकाई हेतु मरीजों के लिए आवश्यक कार्य किए जाएंगे और चिकित्सालय में जनहित के लिए होने वाली जरूरतों को पूरा करने में भी सहयोग किया जाएगा।

झड़वासा में राम दरबार व शिव परिवार की स्थापना पर दो दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम, पुरा कस्बा हुआ राममय

बैंड बाजों के साथ निकाली कलश यात्रा व नगर परिक्रमा, दिनभर चला अखंड रामचरित मानस और सुंदरकांड का पाठ

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। झड़वासा नवनिर्मित राम दरबार मंदिर में राम दरबार व शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर बीती रात सालासर बाला जी धाम राकेश सेन एन्ड पार्टी खारी का लाम्बा गुलाबपुरा द्वारा देर तक संगीत मयी सुंदरकांड का पाठ किया गया था जिसमें सेंकड़ो श्रद्धालुओं नें देर रात लाभ लिया तथा बुधवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। सुबह 9:15 बजे ठाकुर जी के मंदिर में पूजा अर्चना के बाद बैंड बाजे व ढ़ोल की स्वर मधुर लहरियों के साथ रवाना हुई। कलश यात्रा मुख्य बाजार से राम दरबार मंदिर पहुंची जहां मंगल कलशों की पूजा की गई कलश यात्रा में सबसे आगे बैंड वादक और पीछे मुख्य यजमान पुखराज डांगी, रिखब चंद जैन, दिनेश सोनी, भंवर सिंह गौड, देवकरण गुर्जर, तेजमल जाट, शिवराज जाट व सुनील जैन ध्वज लेकर चल रहे थे बीच में महिलाएं व छोटी छोटी बच्चियां सजे धजे परिधान में सिर पर मंगल कलश भगवान शिव, राम व हनुमान के भजनों पर नाचते गाते चल रही थी। दोपहर में मंदिर में देव स्थापना हवन कार्यक्रम व सालिग राम जी की विशेष पूजा का आयोजन किया गया जिसमें पंडित कैलाश चंद्र शास्त्री (विद्या वाचस्पति) के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने भाग लिया इस दौरान पंडित कैलाशचंद शास्त्री ने अखंड रामचरित मानस पाठ को समझाते हुए लोगों को भगवान राम चरित्र को जीवन में उतारने व भक्ति मार्ग में जुड़ने और सत्कर्म करने के लिए प्रेरित भी किया।

नसीराबाद का 206 वां स्थापना दिवस मनाया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। युवक पठनालय के तत्वावधान में बुधवार को नसीराबाद का 206 वां स्थापना दिवस मनाया। युवक पठनालय के अध्यक्ष प्रवीण चंद गदिया व महामंत्री राजेंद्र राठी ने यह जानकारी देते हुए बताया की कार्यक्रम उपखण्ड अधिकारी देवीलाल यादव के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया। पुलिस उपाधीक्षक जरनैल सिंह, छावनी परिषद के मनोनीत सदस्य सुशील कुमार गदिया व पार्षद सरोज बिस्सा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर नगर के कवि और कवित्रियों ने नसीराबाद के इतिहास को लेकर कवितापाठ किया। गौरतलब है कि नसीराबाद छावनी की स्थापना 20 नवंबर 1818 को नसीरुदौल्ला ने की थी।